निर्माण एजेंसी कर रही पानी के छिड़काव की औपचारिकता

कोलार सिक्सलेन निर्माण में उड़ रहे धूल के गुबार से नहीं मिल पा रही निजात

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

कोलार इलाके में सिक्सलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन कुछ जगह यानी गेहूंखेड़ाए यापुरा कोलार थाने के बस, महाबली नगर. साईनाथ नगर पुलिया, सर्वधर्म कोलार से सर्वधर्म ब्रिज, स्वर्ण जयंती पार्क, भोज विश्वविद्यालय के सामने, चूनाभट्टी नहर चौराहा, काली मंदिर, चूनाभट्टी राम मंदिर के पास काम चालू होने के कारण यहां पर आवाजाही से लगातार धूल उड़ रही है। इस दौरान निर्माण एजेंसी और नगर निगम शासन के टैंकर नदारद हैं और कोलार रोड पर इन स्थानों पर लगातार धूल का गुबार उड़ रहा है। समस्या पर संज्ञान लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निर्माण एजेंसी और काम से जुड़े अधिकारियों को सड़क पर पानी छिड़काव के निर्देश दिए थे। लेकिन पानी के छिड़काव की औपचारिकता भर पूरी का जा रही है। पीक टाइम में जरूर यदा कदा पानी छिड़कते टैंकर नजर आते हैं लेकिन बाकी समय राहगीर खासतौर पर दुपहिया वाहन चालक और पैदल आवाजाही करने वाले लोग परेशान हैं। धूल से परेशान लोगों ने खुद ही कोलार सिक्सलेन सड़क पर धूल दबाने के नए पानी का छिड़काव शुरू कर दिया है । लोग दुकान और घरों के सामने पानी का पाइप लगाकर खुद तराई कर रहे हैं ताकि मिट्टी के कण दबे रहे। इस मामले में शासन-प्रशासन के सारे प्रयास फेल हो गए है। निर्माण एजेंसी द्वारा पानी का छिड़काव नहीं करने के कारण लोगों को दिक्कत है। कुछ महीने पहले तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह और फिर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कोलार रोड का निरीक्षण किया था। इस दौरान निर्माण के कारण उड़ रही धूल को लेकर उन्होंने सख्त निर्देश दिए थे कि निर्माण एजेंसी यहां पर लगातार पानी का छिड़काव करें ताकि धूल के कण ऊपर ना उड़ सके। लेकिन उनके निर्देश का पालन दो-चार दिन ही किया गया। बीते कुछ दिनों से यहां पर सिर्फ दिखावे के लिए काम किया जा रहा है। कभी एक बार तो कभी दो बार ही यहां पानी का छिड़काव होता है। ऐसे में इन दिनों कोलार रोड पर धूल के गुबार उड़ते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में कलेक्टर के आदेश बेअसर साबित हो रहे हैं। कोलार रोड में बढ़ती धूल के कारण लोगों को सबसे ज्यादा एलर्जी की समस्या पैदा हो रही है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नितिन वर्मा ने बताया कि बीते कुछ महीनों से कोलार में सबसे ज्यादा लोग खासकर बच्चों को एलर्जी की समस्या हो रही है। उन्हें सर्दी और खांसी की समस्या बनी हुई है। वहीं, बुजुर्गों को दमा और धूल वाली बीमारियों से ज्यादा परेशानी हो रही है। इनमें से ज्यादातर मरीज खराश, सूखी खांसी, सांस लेने में तकलीफ और सांस फूलने की समस्या की वजह से अस्पताल पहुंच रहे हैं। वहीं, बच्चों और बड़ों में आंख से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं।

कोलार सिक्सलेन निर्माण का काम काफी दिनों से जारी है। कुछ स्थानों पर खासकर घनी आबादी वाले स्थान पर काम अधूरा होने के कारण यहां धूल की समस्या ज्यादा है। निर्माण एजेंसी न तो सही तरीके से पानी का छिड़काव कर रही है और न ही निर्माण कार्य में तेजी ला पा रही है।
राजकुमार सिंह समाजसेवी

कोलार सिक्सलेन का काम तेजी से किया जा रहा है। कुछ टुकड़ों में काम बचा है, वहां पर जल्द ही काम पूरा करवाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि निर्माण एजेंसी यहां पानी का छिड़काव नहीं कर रहीं तो उस पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।
अवनींद्र सिंह कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग भोपाल

ट्रैफिक बढ़ने से पांच लाख की आबादी को आवाजाही में परेशानी

बिना प्लानिंग सड़क निर्माण से दिन में कई बार जाम की समस्या आम

कोलार क्षेत्र में बीते एक महीने से सिक्सलेन सड़क में अचानक भारी वाहनों के चलने के कारण ट्रैफिक का दबाव बढ़ने से यहां से आवाजाही करने वाले एक लाख से अधिक वाहन चालकों की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल कोलार क्षेत्र में अधिकारियों ने बिना प्लानिंग के कोलार, शाहपुरा फोरलेन सड़क का शुरू का काम करवा दिया। ऐसे में पहले सिक्सलेन में काम चलने के कारण हैवी ट्रैफिक जैसे लो-फ्लोर बसें, डंपर सहित अन्य भारी वाहन चूनाभट्टी नहर चौराहे तरफ से डायवर्ट होकर इस फोरलेन सड़क से आवाजाही कर रहे थे। लेकिन अचानक उस सड़क पर भी काम शुरू होने के कारण अब सभी वाहन कोलार रोड से ही आवाजाही करने लगे हैं। इस कारण सिक्सलेन सड़क पर आवाजाही का दबाव बढ़ गया है। इससे सबसे ज्यादा दिक्कत अब वाहनों की आवाजाही में हो रही है। उन्हें सुबह से लेकर शाम तक जाम का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों ने बताया कि सबसे ज्यादा समस्या पीक ऑवर्स यानी सुबह 10 से लेकर दोपहर 1 बजे और शाम को 5 बजे लेकर रात 9 बजे तक हो रही है। पीक आवर्स में कोलार रोड पर वाहन चालकों को होती है परेशानी।

इन इलाकों में है सबसे ज्यादा समस्या

रहवासियों ने बताया कि कोलार रोड में बीते डेढ़ साल से आवाजाही में समस्या चल रही है। अभी सबसे ज्यादा दिक्कत चूनाभट्टी, काली मंदिर के पास, चूनाभट्टी कोलार नहर चौराहा, सर्वधर्म ब्रिज, सर्वधर्म कॉलोनी, मंदाकिनी चौराहा, महाबली नगर, बीमाकुंज, बंजारी, विनीत कुंज तिराहा, कोलार थाने के सामनेए, ललिता नगर और गेहूंखेड़ा चौराहे पर सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। हैवी ट्रैफिक के कारण यहां पर सारा लोड थ्री लेन सड़क पर है, जिसके कारण बार-बार जाम की स्थिति बन रही है।

बिना सर्वे के बनी योजना

कोलार रोड में इन दिनों अचानक ट्रैफिक बढ़ने के कारण छोटे वाहन चालकों को परेशानियां उठानी पड़ रही है। बिना प्लानिंग के अफसरों द्वारा काम करने के कारण पांच लाख आबादी परेशान हो रही है। वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण पूरा ट्रैफिक थ्री लेन सड़क पर होता है। ऐसे में भारी वाहनों के कारण यातायात की व्यवस्था बिगड़ रही है और लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है।

कोलार रोड में बीते कुछ समय से अफसरों की आपसी मतभेद के कारण सही काम नहीं हो रहा। सिक्सलेन सड़क पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ने के कारण सुबह से शाम और दोपहर में बच्चों को दिक्कत हो रही है।
रामराज तिवारी रहवासी

कोलार की दोनों मुख्य सड़क यानी सिक्सलेन और फोरलेन सड़क में काम चलने के कारण सुबह और शाम के वक्त कोलार रोड पर ट्रैफिक ज्यादा हो रहा है। हमारी टीमें लगातार काम कर रही हैं ताकि लोगों को परेशानी ना हो, वे जाम में ना फंसे।
आशुतोष उपाध्याय टीआई

जन्मदिन मनाने के दूसरे दिन हुआ देहदान

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

विदिशा जिले में देहदान एवं नेत्रदान के प्रति बढ़ रही जागरूकता के चलते अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज विदिशा में बीते गुरुवार को एक और पार्थिव शरीर का दान संभव हुआ है, इसे मिलाकर अब तक 18 देहदान संपन्न हो चुके हैं। समाजसेवी विकास पचौरी द्वारा मरणोपरांत नेत्रदान एवं देहदान के संकल्प पत्र भरवा जाते हैं ऐसा ही संकल्प हाजी बली तालाब के पास दुर्गा नगर में रहने वाले 81 वर्षीय जयंत पांचखेड़े ; भाऊ साहब ने बीते 4 जुलाई 2020 को शेरपुरा विदिशा स्थित सेवा घर आकर लिया था और अपनी देहदान वसीयत में लिखा था कि मेरी मृत्यु के बाद मृत शरीर को किसी भी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया जावे भाऊ साहब का बीते गुरुवार को निधन हो गया तो उनके संकल्प अनुसार उनकी पत्नी श्रीमती शैलजा पांचखेड़े एवं पुत्र आनंद पांचखेड़े सहित परिवार के सभी सदस्यों ने भाऊ साहब का पार्थिव शरीर अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज जाकर दान कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाऊ साहब पीएचई विभाग से रिटायर्ड होकर समाज सेवा के कार्यों में संलग्न थे। प्रमुख रूप से सेवा भारती विदिशा एवं विकास पचौरी फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे मानव सेवा कार्यों में संलग्न रहते थे, इन्होंने दुर्गा नगर में हाजीबली तालाब के पास स्वयं के व्यय से शिव मंदिर का निर्माण भी कराया था। बीते 17अप्रैल को इनका 81वां जन्मदिन था,जिस परिवार जनों ने धूमधाम से मनाया था और अगले दिन सुबह ही अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी निधन हो गया। भाऊ साहब के देहदान के समय मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी हाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील नंदेश्वर, डॉ. मनीष विजयवर्गीय, डॉ. ओम प्रकाश गौर, राकेश परिहार, संतोष कुशवाहा एवं समाजसेवी डॉ.जीके महेश्वरी, विकास पचौरी, राजीव जैन अलंकार, कांति ठक्कर सहित भाऊ साहब के परिवारजन एवं इष्ट मित्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

महावीर जयंती पर कल मांस की दुकानें बंद करवाने की मांग

भोपाल। कल रविवार के दिन भगवान महावीर निर्माण महोत्सव है। भगवान महावीर स्वामी अहिंसा के प्रेरक थे जियो और जीने दो का संदेश उन्हें पूरे विश्व को दिया है एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने का प्राणी मात्र को उपदेश दिया है। उनके जन्म जयंती महोत्सव पर दिगंबर जैन महासभा के अध्यक्ष संजय जैन मुंगावली ने बताया की संरक्षक आदित्य जैन मनिया, संयोजक राजेंद्र जैन (टीआई) एवं क्षेत्रीय पोरवाल महासभा के अध्यक्ष सुरेश जैन (समर्दा)तथा प्रचार प्रसार सचिव सतीश जैन (शीतल)ने इस संदर्भ में एक पत्र भोपाल की महापौर मालती राय को दिया और भगवान महावीर जयंती पर भोपाल की सभी मांस की दुकानों एवं स्लॉटर हाउस तथा भोपाल के 85 मंदिरों में चल समारोह निकलेगा उनके चल समारोह मार्ग में व्यवस्थित साफ सफाई कराने तथा मांस की दुकानों को बंद की मांग की है। इस संदर्भ में कलेक्टरसे भी चर्चा की गई उन्होंने आश्वासन दिया कि मांस की दुकान बंद रखी जावेगी। महासभा के पदाधिकारी ने पूरे भोपाल जैन समाज के सभी जैन बंधु से निवेदन किया है कि वह महावीर जयंती के दिन अपना प्रतिष्ठान बंद रखकर महावीर चल समारोह में सम्मिलित हो तथा भगवान महावीर के संदेशों को जन-जन में फैलाएं ।

आग से बचाव के लिए एम्स में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

एम्स भोपाल में अग्नि सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एवं भारतीय अग्नि शमन सेवा के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए 19 अप्रैल 2024 को पुलिस फायर स्टेशन भोपाल और एम्स के अग्निशमन विभाग के संयुक्त प्रयासों से एक फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने अग्नि सुरक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखना बहुत आवश्यक है। है। छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए हमें हमेशा सचेत और तत्पर रहना चाहिए। साथ ही आग पर नियंत्रण पाने के तरीकों से भी अवगत होना चाहिए, ताकि किसी भी परिस्थिति में हम उस पर काबू पा सकें। मॉक ड्रिल में एम्स भोपाल के कर्मचारी, छात्र, नर्सिंग अधिकारी, रोगियों और आगंतुकों ने भी भाग लिया। इस मॉक ड्रिल के द्वारा लोगों को अग्नि सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग और आपातकालीन परिस्थितियों में किस तरह से कार्य करना चाहिए इस बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान अधिकारियों ने अग्निशामक यंत्र, फायर होस रील, फायर हाइड्रेट, फायर अलार्म और कोड रेड जैसे उपकरणों को खुद भी उपयोग करके देखा, इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में निकासी की प्रक्रिया को भी जाना।

शिविर में जांची उत्कृष्टता शिक्षा संस्थान के छात्रों की सेहत

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

उत्कृष्टता शिक्षा संस्थान के बच्चों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 अप्रैल को स्वास्थ्य परामर्श एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के 650 विद्यार्थियों एवं 60 एकेडमिक स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में उपचार सेवाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता हेतु टीबी , मलेरिया , कुष्ठ, एच आई वी, स्वच्छता,पोषण आहार, एनीमिया से बचाव की जानकारी के लिए परामर्श सत्र भी आयोजित किए गए। शिविर में एनीमिया की जांच, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए।आरंभ संस्था के सहयोग से मोबाइल आई हेल्थ यूनिट द्वारा नेत्र परीक्षण किए गए एवं लोअर विजन के लिए निशुल्क चश्मे भी दिए गए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि माय हेल्थ माय राइट की थीम पर संस्थान के विद्यार्थियों, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ हेतु आरोग्यम फ्लैगशिप प्रोग्राम के अंतर्गत यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का उद्देश्य चिकित्सकीय परीक्षण के साथ साथ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करना भी है। शिविर आयोजन में उत्कृष्टता शिक्षा संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ,आरोग्यम समिति की संयोजक श्रीमती चंद्रकांता मौर्य एवं डॉ. रुचिरा चौधरी, डॉ दुर्गेश कुर्मी, श्रीमती अनामिका कुजूर, डॉ. प्राची चतुर्वेदी द्वारा विशेष सहयोग दिया गया।

सुनील गर्ग महासभा के मुख्य सलाहकार नियुक्त

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष डीपी गोयल द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी श्री राम एड एजेंसी के चेयर मेन सुनील गर्ग के महासभा का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल अध्यक्षीय कार्यकाल तक रहेगा। श्री गोयल ने महासभा के सभी सदस्यों से ये आग्रह किया है कि यदि उनकी कोई महत्ती सामाजिक समस्या हो तो वे सुनील गर्ग से संपर्क साध सकते है।

ग्राम और वार्ड स्तर पर की जाएगी स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

स्वास्थ्य विभाग जिला भोपाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 -25 की लक्ष्य पूर्ति हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय भोपाल में किया गया । बैठक में सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों की पूर्ति एवं मैदानी स्तर पर शत प्रतिशत क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यक्रम अधिकारियों सहित विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, एसडीएमओ, लिंक अधिकारी, एस डी मैनेजर, पीएचएम, जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे । राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ संतोष शुक्ला, संयुक्त संचालक मातृ स्वास्थ्य डॉ अर्चना मिश्रा सहित राज्य स्तरीय अधिकारियों एवं सलाहकारों द्वारा भी कार्यक्रम क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों से ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं प्रबंधकों को अवगत करवाया गया। इन लक्ष्यों की समीक्षा नियमित रूप से प्रतिमाह की जावेगी।स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार कल्याण, कुष्ठ, क्षय उन्मूलन, डेंगू ,मलेरिया, असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम , अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना ,आईएचआईपी, रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम, हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्य विकासखंड , सब डिविजनल , वार्ड, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्रामवार निर्धारित किए गए हैं । इन लक्ष्यों के आधार पर मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के लक्षित हितग्राहियों की जानकारी मिल सकेगी, जिससे वे समय सीमा में शत प्रतिशत हितग्राहियों को वांछित स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित कर सकेंगे।

समस्त पात्र हितग्राहियों को हितलाभ एवं आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सूक्ष्म कार्ययोजना बनाई गई है। ग्रामीण क्षेत्र के अलावा भोपाल के शहरी क्षेत्रों को भी कार्य सुविधा की दृष्टि से अनुविभागीय स्तर पर क्रियाशील किया गया है। वार्ड और उपस्वास्थ्य केंद्र के अनुसार प्रत्येक कार्यक्रम का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके द्वारा मैदानी स्तर पर कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का आकलन किया जावेगा।
डा. प्रभाकर तिवारी
सीएमएचओ

आयोजित किए जा रहे सास-बहू सम्मेलन

परिवार कल्याण कार्यक्रम से जोड़े जा रहे लक्ष्य दंपत्ति

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं के लिए जागरूकता एवं स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए मिशन परिवार विकास पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़ा 25 अप्रैल तक मनाया जाएगा । जिसमें जन समुदाय में परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों के संबंध में जागरूकता लाई जावेगी। पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा नसबंदी, आईयूसीडी, अंतरा इंजेक्शन, ओरल पिल्स , छाया गोली, निरोध के उपयोग के लिए हितग्राहियों को जानकारी देकर प्रेरित किया जा रहा है। पखवाड़े में सास बहू सम्मेलनों का आयोजन भी किया जा रहा है। इन सम्मेलनों में परिवार नियोजन की आवश्यकता एवं उसके साधनों की जानकारी दी जा रही है।जागरूकता रैलियों, जागरूकता रथ इत्यादि के माध्यम से परिवार कल्याण साधनों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विवाह के दो साल बाद पहला बच्चा, पहले बच्चे के जन्म के 3 साल बाद दूसरा बच्चा एवं दो बच्चों के बाद नसबंदी करवाने संबंधी जानकारी भी दी जा रही है। पखवाड़े के दौरान आशा कार्यकर्ताओं द्वारा नसबंदी करवाने के इच्छुक दंपतियों की सूची तैयार कर नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में आयोजित नसबंदी शिविरों में नसबंदी करवाई जा रही है।

जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े ने बताया कि भोपाल जिले में पिछले साल 13719 पुरुष एवं महिला नसबंदी की गई हैं। 5600 पीपीआईयूसीडी, 603 आईयूसीडी, 9080 छाया गर्भनिरोधक गोलियां, 1482 अंतरा इंजेक्शन लगाए गए हैं। भोपाल की 24 निजी स्वास्थ्य संस्थाओं को भी नसबंदी हेतु चिन्हित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी बस्ती क्षेत्र में परिवार कल्याण के अस्थाई साधनों की सुगम एवं निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से माला एन, छाया गोलियां, कंडोम और प्रेगनेंसी टेस्ट किट उपलब्ध करवाई जाती है।शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में पुरुष नसबंदी करवाने पर 3 हजार, प्रसव पश्चात महिला नसबंदी पर 3 हजार, अंतराल नसबंदी करवाने पर 2 हजार, पीपीआईयूसीडी लगवाने पर 300 एवं अंतरा इंजेक्शन लगवाने पर 100 रुपए हितग्राही को दिए जाते हैं।